अंक – 50 23.08.2025 शनिवार

कैमूर चेतना-सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्त्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- सुरक्षित शनिवार

बिहार के मुख्य सचिव
श्री अमृत लाल मीणा
भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त
ज्ञानेश कुमार

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर
संपादक समूह :

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ , कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो सके |

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तकाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101
ईमेल – chetnakaimur@gmail.com

23 अगस्त 2023 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतारकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही, भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरने वाला पहला देश बन गया। सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर का सफल प्रक्षेपण हुआ। इस उपलब्धि को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने23 अगस्त को भारत में "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" घोषित किया।

वर्ष 2025 का विषय है: "आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाएँ", जो भारत की खगोलशास्त्रीय विरासत से लेकर आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान (गगनयान) तक की यात्रा को दर्शाता है।

कैमूर चेतना-सत्र

अम्ल,क्षार और लवण

सोडियम हाइड्रोक्साइड

सामान्य नाम – कॉस्टिक सोडा
रासायनिक नाम – सोडियम हाइड्रोक्साइड
रासायनिक सूत्र – NaOH
निर्माण की विधि – क्लोर क्षार प्रक्रिया

इस विधि में सोडियम क्लोराइड के जलीय विलयन का विद्युत अपघटन किया जाता है जिसके फलस्वरूप मुख्य उत्पाद सोडियम हाइड्रोक्साइड के साथ साथ उप उत्पाद के रूप में हाइड्रोजन गैस और क्लोरीन गैस बनता है।

$$2NaCl(aq) + 2H_2O(l) \longrightarrow 2NaOH(aq) + Cl_2(g) + H_2(g)$$

कैमूर चेतना-सत्र

इस प्रक्रिया में हाइड्रोजन गैस कैथोड पर और क्लोरीन गैस एनोड पर बनता है। सोडियम हाइड्रोक्साइड भी कैथोड के पास ही बनता है।

राजेश कुमार सिंह

शिक्षा विभाग, कैमूर

1. प्रार्थना

प्रार्थना

तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो।
तुम्हीं हो बंधु, सखा तुम्हीं हो॥

तुम्हीं हो साथी, तुम्हीं सहारे।
कोई न अपना सिवा तुम्हारे॥

तुम्हीं हो नैया, तुम्हीं खेवैया।
तुम्हीं हो बंधु, सखा तुम्ही हो॥

जो खिल सके न वो फूल हम हैं।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं॥

दया की दृष्टि सदा ही रखना।
तुम्हीं हो बंधु, सखा तुम्हीं हो॥

अभियान गीत

ले मशालें चल पड़े हैं लोग मेरे गांव के
अब अंधेरा जीत लेंगे लोग मेरे गांव के
कह रही है झोपड़ी औ' पूछते हैं खेत भी,
कब तलक लुटते रहेंगे लोग मेरे गांव के
बिन लड़े कुछ भी यहां मिलता नहीं ये जानकर,
अब लड़ाई लड़ रहे हैं लोग मेरे गांव के
कफ़न बांधे हैं सिरों पर हाथ में तलवार है,
ढूंढने निकले हैं दुश्मन लोग मेरे गांव के
हर रुकावट चीख़ती है ठोकरों की मार से,
बेड़ियां खनका रहे हैं लोग मेरे गांव के
दे रहे हैं देख लो अब वो सदा-ए-इंक़लाब,
हाथ में परचम लिए हैं लोग मेरे गांव के
एकता से बल मिला है झोपड़ी की सांस को,
आंधियों से लड़ रहे हैं लोग मेरे गांव के
जो सुबह फीकी दिखे है आजकल,
लाल रंग उसमें भरेंगे लोग मेरे गांव के

कैमूर चेतना-सत्र

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

कैमूर चेतना-सत्र

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"संभव को पाने के लिए हमें बार-बार असंभव प्रयास करना होता है।"

3. रोचक तथ्य

एफिल टॉवर गर्मी में थर्मल विस्तार के कारण लगभग 6 इंच बढ़ जाता है|

4. दिवस विशेष

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

यह दिवस 2023 में चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग का प्रतीक है। इस उपलब्धि को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को भारत में "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" घोषित किया। |

5. आज का इतिहास

1963 : एलेक्स लेबून (Alexeï Leonov) अंतरिक्ष में दो बार प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति बने।

1949 : भारतीय स्वतंत्रता के बाद प्रथम भारतीय डाक टिकट 'जय हिन्द' जारी किया गया।

2023 : चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग का प्रतीक है।

1917 : राजकुमार शुक्ल का जन्म, जिनका प्रयास चंपारण के किसानों को नील की खेती से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण था |

1947 : वल्लभभाई पटेल का भारत का उप-प्रधानमंत्री बनना

6. सामान्य ज्ञान

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक कौन हैं?
डॉ. विक्रम ए साराभाई

भारत का पहला उपग्रह कौन सा था?
आर्यभट्ट

आर्यभट्ट को कब प्रक्षेपित किया गया था?
19 अप्रैल, 1975 को

कैमूर चेतना-सत्र

भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रम कहाँ से शुरू हुआ था?
तिरुवनंतपुरम के पास थुम्बा में स्थित थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (TERLS) से

अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला कौन
कल्पना चावला

अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय कौन थे?
राकेश शर्मा.

अमेरिका के पहले स्पेस शटल का नाम क्या था?
कोलंबिया

कैमूर चेतना-सत्र

प्रश्न 1: भारत का पहला चंद्र मिशन कौन सा था और इसे कब लॉन्च किया गया था?
उत्तर: चंद्रयान-1, जिसे 22 अक्टूबर 2008 को लॉन्च किया

प्रश्न 2: चंद्रयान-3 मिशन को किस रॉकेट से लॉन्च किया गया था?
उत्तर: LVM3 रॉकेट प्रणाली

प्रश्न 3: चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाले देशों की सूची में भारत कौन से स्थान पर है?
उत्तर: चौथा देश

प्रश्न 4: चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर का नाम क्या है? उत्तर : लैंडर का नाम 'विक्रम' और रोवर का नाम 'प्रज्ञान' प्रश्न 5: चंद्रयान-3 मिशन का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर: इसका मुख्य उद्देश्य चंद्र सतह की रासायनिक और खनिज संरचना का अध्ययन करना और चंद्रमा के विकास की बेहतर समझ प्राप्त करना था.

प्रश्न 6: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का मुख्यालय कहाँ है?
उत्तर: ISRO का मुख्यालय बेंगलुरु, कर्नाटक में है

7. शब्द ज्ञान (ग्रहों के नाम)

बुध (Mercury), शुक्र (Venus), पृथ्वी (Earth),
मंगल (Mars), बृहस्पति (Jupiter), शनि (Saturn),
अरुण (Uranus) वरुण (Neptune)

8. बूझो तो जाने

कैमूर चेतना-सत्र

ऐसी कौन सी चीज है जो हमेशा आपके पास होती है, पर जब आप उसका जिक्र करते हैं, तो वो टूट जाती है?

उत्तर: "राज" (secret)

वह क्या है जो हमेशा आता है, पर कभी पहुँचता नहीं?

उत्तर: कल (tomorrow)

9. प्रेरक प्रसंग

!! दो मेढक की कहानी !!

एक बार की बात है, दो मेंढक गलती से दूध के एक बड़े बर्तन में गिर गए। वे बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रहे थे, लेकिन चिकनी सतह के कारण सफल नहीं हो पा रहे थे। कुछ देर बाद, एक मेंढक ने हार मान ली। उसने सोचा कि अब बाहर निकलना असंभव है। वह थक गया था और उसने तैरना छोड़ दिया। कुछ ही देर में वह डूब गया।

लेकिन दूसरा मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था। वह लगातार अपने पैरों को मारता रहा, भले ही उसे पता था कि इससे कुछ खास नहीं होगा। वह बस कोशिश करता रहा और तैरता रहा।उसके लगातार पैर मारने से, दूध धीरे-धीरे गाढ़ा होने लगा। थोड़ी देर बाद, वह दूध मक्खन में बदल गया। अब मेंढक के पास बैठने के लिए एक ठोस जगह थी। उसने उस मक्खन पर बैठकर खुद को बाहर निकाला और अपनी जान बचा |

कैमूर चेतना-सत्र

यह कहानी हमें सिखाती है कि चाहे हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, हमें हार नहीं माननी चाहिए। जब हम लगातार प्रयास करते रहते हैं, तो एक दिन ऐसा आता है जब हमारा प्रयास रंग लाता है। कभी-कभी, जब हमें लगता है कि हमारे प्रयास व्यर्थ हैं, वही प्रयास हमें सफलता की ओर ले जाते हैं। इसलिए, मुश्किल समय में भी अपनी कोशिश जारी रखनी चाहिए।

10 . सुरक्षित शनिवार

महीना – अगस्त चौथा - शनिवार

विषय :-नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सदर्भ में जानकारी

आओ जानें :

नदी पार करते हुए नाव पलटने / नाव डूबने से लोगों की मौत होती है।उफनती नदी या गहरे तालाब में स्नान करने, कपड़ा धोने से डूबने की घटना घटती है। बाढ़ के दौरान भी डूबने की घटना होती है।कुछ बातें मानने पर हम बच्चे डूबने से बच सकते हैं।

जरूरी बातें :

कैमूर चेतना-सत्र

नाव दुर्घटना से बचने के लिए -हमें अकेले नाव की यात्रा नहीं करनी है। यदि हम अपने माता-पिता या परिचित के साथ नाव पर जा रहे हैं तो उस नाव में नहीं बैठेंगे

★ जिस नाव में बहुत अधिक लोग बैठे / भीड़ हैं।
★ जिस नाव में जानवरों को भी ढोया जा रहा हो।
★ जर्जर / टूटी-फूटी नाव पर सवारी न करें।

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"
कैमूर चेतना - सत्र टीम
संपर्क सूत्र : 8271039022

डूबने से बचने के लिए :

खतरनाक घाटों के किनारे पर बच्चों को नहीं जाना चाहिए।
बच्चों को नदी/तालाबों/तेज़ पानी के बहाव में स्नान नहीं करना चाहिए।
बच्चों को पुल/पुलिया / ऊँचे टीलों से पानी में कूद कर पानी में स्नान नहीं करना चाहिए।

घरवालों के लिए संदेश : केवल उसी नाव से यात्रा करें –

जिस पर एक सफेद पट्टी का निशान लगा हो।
जिस पर पंजीकरण संख्या अंकित हो।
जिस पर जानवर नहीं हो।
सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद नाव की यात्रा न करें।